5 जनवरी, 2022 करेंट अफेयर्स

1. केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह एवं नितिन गडकरी ने रखी "लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे" की आधारशिला

- रक्षा मंत्री और लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लखनऊ में एक समारोह में लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखी।
- 4,200 करोड़ रुपये की यह परियोजना दोनों शहरों के बीच यात्रा के समय को मुश्किल से 40 मिनट तक कम कर देगी।
- रक्षा मंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के लिए 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया.
- राजनाथ सिंह ने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल लखनऊ बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश राज्य के विकास को गति मिलेगी।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास के एक नए युग की शुरुआत हुई है।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

- "लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे", एक आर्थिक गलियारे के रूप में उभरेगा और यूपी रक्षा गलियारे के लखनऊ और कानपुर नोड्स के लिए रीढ़ की हड्डी के रूप में काम करेगा।
- केंद्रीय मंत्री गडकरी ने उत्तर प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर 26778 करोड़ रुपये की 821 किलोमीटर की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया।
- श्री गडकरी ने कानपुर में 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनका निर्माण 14,199 करोड़ रुपये से किया जा रहा है।
- उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से "दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे" और "राष्ट्रीय राजमार्ग अमृतसर-घोमन-टांडा" परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।
- बाद में राज्य की राजधानी लखनऊ में श्री गडकरी ने अमौसी में 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। परियोजनाओं का निर्माण 7410 करोड़ रुपये से किया जा रहा है।

2. स्मार्ट सिटीज मिशन ने लॉन्च किया "स्मार्ट सिटीज एंड एकेडेमिया टुवार्ड्स एक्शन एंड रिसर्च (SAAR)" कार्यक्रम

- स्मार्ट सिटीज मिशन ने "स्मार्ट सिटीज एंड एकेडेमिया टुवार्ड्स एक्शन एंड रिसर्च (SAAR)" कार्यक्रम शुरू किया है।
- यह आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, शहरी मामलों के राष्ट्रीय संस्थान और देश के प्रमुख भारतीय शैक्षणिक संस्थानों की एक संयुक्त पहल है।
- कार्यक्रम के तहत, देश के 15 प्रमुख वास्तुकला और योजना संस्थान स्मार्ट शहरों के साथ मिलकर स्मार्ट सिटीज मिशन द्वारा शुरू की गई ऐतिहासिक परियोजनाओं का दस्तावेजीकरण करेंगे। दस्तावेज़ सर्वोत्तम प्रथाओं से सीख लेंगे।
- यह छात्रों को शहरी विकास परियोजनाओं पर जुड़ाव के अवसर प्रदान करेगा और शहरी चिकित्सकों और शिक्षाविदों के बीच वास्तविक समय की सूचना प्रवाह को सक्षम करेगा।

- SAAR के तहत परिकल्पित पहली गतिविधि स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत भारत में 75 ऐतिहासिक शहरी परियोजनाओं का एक संग्रह तैयार करना है।
- ये 75 शहरी परियोजनाएं अभिनव, बहु-क्षेत्रीय हैं, और भौगोलिक क्षेत्रों में लागू की गई हैं। यह कार्यक्रम भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ का प्रतीक है।
- आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अनुसार, इस साल जून तक 75 शहरी परियोजनाओं का संग्रह शुरू किया जाएगा।

3. केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने लॉन्च की राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2022 की थीम

- केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, डॉ जितेंद्र सिंह ने **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस** 2022 की थीम लॉन्च की है।
- इस वर्ष का विषय **"सतत भविष्य के लिए विज्ञान और तकनीक पर समग्र चर्चा"** है।

- **"रमन प्रभाव"** की खोज को चिह्नित करने के लिए हर साल **28 फरवरी** को **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस** मनाया जाता है।
- नई दिल्ली में थीम का शुभारंभ करते हुए, डॉ. सिंह ने आशा व्यक्त की कि इसके माध्यम से देश भर के सभी संस्थान दिवस मनाने के लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।
- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी दोहराते रहे हैं कि हमें साइलो में काम करने की संस्कृति से बाहर आना होगा और अब यह केवल एक विकल्प नहीं है, यह एक आवश्यकता है। डॉ. सिंह ने कहा, भारत को वैश्विक मानकों पर खरा उतरने के लिए वैश्विक मानकों पर खरा उतरना होगा।

4. ओएनजीसी निदेशक अलका मित्तल ने सीएमडी ओएनजीसी के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभाला

- अलका मित्तल को ओएनजीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। यह उन्हें एनर्जी मेजर का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनाती है।
- 31 दिसंबर 2021 को सुभाष कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।
- अलका मित्तल ओएनजीसी के बोर्ड में सबसे वरिष्ठ निदेशक हैं।
- तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी): एक भारतीय सरकार के स्वामित्व वाला कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस निगम है। इसका पंजीकृत कार्यालय नई दिल्ली में है।
- यह भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के स्वामित्व में है। यह देश में सबसे बड़ा सरकारी स्वामित्व वाला तेल और गैस अन्वेषण और उत्पादन निगम है।

स्थापना: 14 अगस्त 1956

मुख्यालय: दीनदयाल ऊर्जा भवन, वसंत कुंज, नई दिल्ली

5. भारत ने राजस्थान के उदयपुर में पहली ओमाइक्रोन मौत दर्ज की

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत ने 5 जनवरी 2021 को राजस्थान के उदयपुर में एक व्यक्ति के नमूनों के बाद कोरोनोवायरस के ओमिक्रॉन संस्करण से जुड़ी पहली मौत दर्ज की, जिसकी पिछले सप्ताह मृत्यु हो गई थी, जिसमें वैरिएंट की उपस्थिति दिखाई गई थी।
- 73 वर्षीय व्यक्ति, जो जीनोम अनुक्रमण में ओमाइक्रोन से संक्रमित पाया गया था और जिसने दो बार संक्रमण के लिए नकारात्मक परीक्षण किया था, की 31 दिसंबर 2021 को उदयपुर के एक अस्पताल में मृत्यु हो गई।
- उदयपुर के मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ दिनेश खराडी ने कहा था कि उनकी मृत्यु पोस्ट-कोविड निमोनिया के साथ-साथ कॉमरेडिडिटीज – मधुमेह मेलिटस, उच्च रक्तचाप और हाइपोथायरायडिज्म के कारण हुई थी।
- वह व्यक्ति 15 दिसंबर को कोविड सकारात्मक पाया गया था और उसमें बुखार, खांसी और राइनाइटिस जैसे लक्षण थे और इसलिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

- जीनोम अनुक्रमण के लिए एक नमूना भेजा गया था और 25 दिसंबर को परिणाम प्राप्त हुआ था, जिसमें वह वायरस के ओमाइक्रोन संस्करण से संक्रमित पाया गया था। उस व्यक्ति ने 21 और 25 दिसंबर को दो बार COVID-19 के लिए नकारात्मक परीक्षण किया था।

6. सबसे ज्यादा ओडीएफ गांवों में तेलंगाना अव्वल

- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण- II कार्यक्रम के तहत 31 दिसंबर, 2021 तक सबसे अधिक खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ प्लस) गांवों की सूची में तेलंगाना देश में पहले स्थान पर था। राज्य के 14,200 गांवों में से 13,737 गांव ओडीएफ प्लस सूची में हैं, जो 96.74 फीसदी है। इसके बाद तमिलनाडु में 4,432 गांव (35.39%) और कर्नाटक में 1,511 गांव (5.59%) हैं। गुजरात ने केवल 83 गांवों (0.45%) के साथ 17वां स्थान प्राप्त किया।
- राज्य सरकार ने गांवों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए एक नया तेलंगाना पंचायत राज अधिनियम बनाया है। कल्याणकारी कार्यक्रमों के सुचारू क्रियान्वयन, कड़ी निगरानी, डिजिटल रिपोर्टिंग और गांवों में सुशासन की व्यापकता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पंचायत में एक सचिव को तैनात किया गया है।
- गांवों में उचित स्वच्छता बनाए रखने के लिए बहुउद्देश्यीय कार्यकर्ता नियुक्त किए गए हैं। सभी ग्राम पंचायतों में 12,769 समर्पित कम्पोस्ट

शेड हैं। गांवों में हरियाली के लिए पौधों को पानी देने के लिए टैंकर भी उपलब्ध कराए गए हैं।

7. भारतीय मूल के अशोक एलुस्वामी टेस्ला के लिए काम पर रखने वाले पहले कर्मचारी

- इलेक्ट्रिक व्हीकल्स कंपनी टेस्ला के संस्थापक एवं सीईओ एलन मस्क ने एक बड़ा खुलासा किया है। एलन मस्क ने खुलासा कर बताया कि उनकी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी की 'ऑटोपायलट' टीम के सबसे पहले कर्मचारी भारतीय मूल के अशोक एल्लुस्वामी थे।
- अपने साक्षात्कार से जुड़े एक वीडियो को लेकर जवाब देते हुए मस्क ने ट्वीट कर कहा कि अशोक पहले ऐसे व्यक्ति थे, जो मेरे ट्वीट के जरिये भर्ती किए गए। मस्क ने कहा कि अशोक ऑटोपायलट इंजीनियरिंग के प्रमुख हैं और टेस्ला की ऑटोपायलट टीम बेहद कुशल है. इसमें दुनिया के कुछ सबसे कुशल लोग शामिल हैं.

- टेस्ला में शामिल होने से पहले अशोक एल्लुस्वामी वोल्कास फाल्सवैगन इलेक्ट्रानिक रिसर्च लैब और डब्ल्यूएबीसीओ वाहन नियंत्रण प्रणाली से जुड़े थे। वह चेन्नई के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग गुइंडी से इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री धारक हैं। इसके बाद कारनेगी मेलोन यूनिवर्सिटी से उन्होंने रोबोटिक्स सिस्टम डेवलपमेंट में मास्टर्स डिग्री प्राप्त की है।

Ole XPERT
ONLINE LEARNING WITH EXPERTS